# विश्वास संस्थान, रायबरेली (उ0प्र0)

## वार्षिक प्रगति रिपोर्ट वर्ष 2019–20

**प्रस्तावना** – विश्वास संस्थान समाज को नई दिशा देने हेतु सतत प्रयासरत है। संस्थान महिलाओं एवं बच्चों के विकास के लिए लगातार प्रयासशील है। विश्वास संस्थान की स्थापना वर्ष 1996–97 में रायबरेली जनपद के ग्राम जनेवा कटरा में हुई। संस्था का पंजीकरण 27 मार्च 1999 में हुआ। संस्थान का प्रशासनिक कार्यालय जनपद मुख्यालय रायबरेली में स्थापित है। संस्थान ने अपनी मेहनत, लगन, एवं कर्मठता के सहारे जनपद में ख्याति प्राप्त की। संस्थान अपने उद्देश्य हेतु उत्साही, विकासशील, सामाजिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक, शैक्षिक, बौद्धिक, आर्थिक. राष्ट्रीय भावना एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी विकास के सहयोग हेतु सत्त प्रयासरत है।

**गर्ल आइकन कम्युनिटी नेटवर्क कार्यक्रम** – मिलान फाउन्डेशन के सहयोग से गर्ल आइकन कम्युनिटी नेटवर्क कार्यक्रम किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 12 से 18 वर्ष की किशोरी बालिकाओं में शिक्षा, स्वास्थ्य, मौलिक अधिकार, लिंग भेदभाव, यौन हिंसा एवं कानून की जानकारी एवं जागरूकता लाने के लिए किया जा रहा है। कार्यक्रम के अर्न्तगत जनपद रायबरेली के विकास खण्ड सतॉव, हरचन्दपुर, बछरावॉ, लालगंज, सरेनी, जगतपुर, महराजगंज, अमावॉ एवं रायबरेली शहर में 20–20 किशोरी बालिकाओं के 35 समूह बनाकर माह में दो बार बैठक की जाती है। बैठक सहयोगी कार्यकर्ता के द्वारा किया जाता है। प्रत्येक बैठक के विषय पर मिलान द्वारा सहयोगी एवं गर्ल आइकन का आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त होता है। प्रशिक्षण के उपरान्त समूह की बैठकें की जाती है। साथ ही साथ प्रत्येक समूह गॉव की एक समस्या चिन्हित करके सोशल एक्शन प्रोग्राम करती है। जिससे पूरे गॉव की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। कुल 740 किशोरी बालिकाओं को लाभ प्राप्त हो रहा है। यह कार्यक्रम बालिकाओं की जिन्दगी में बदलाव के लिए है। किशोरी बालिकाओं में पहले की अपेक्षा ज्यादा आत्म विश्वास समझ देखने को मिल रहा है। क्षेत्र में अन्य किशोरी बालिकाएॅ भी इससे लाभान्वित हो रही है। अभिभावको ने कहा कि इस प्रकार का कार्यक्रम बालिकाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है।

**बकरी पालन आधारित आजीविका संबर्धन परियोजना** – यह परियोजना जानकी देबी बजाज ग्राम विकास संस्थान के सहयोग से जनपद औरंगाबाद में संस्थान द्वारा संचालित की जा रही है। परियोजना के अर्न्तगत चयनित 25 गॉवों में बकरी पालकों की आर्थिक स्थिति में

बढ़ोतरी के लिए और बकरी पालन में सुधार लाने के लिए बकरियों की संख्यात्मक प्रगति को स्थिर रखते हुए गुणात्मक प्रगति को बढ़ावा देने पर कार्य किया जा रहा है। जिसमें सभी गॉवों में महिला बकरी पालक समिति का गठन किया गया। बकरी में नस्ल सुधार हेतु उन्नत नस्ल के बकरे खरीदवाए गए। जिससे बकरियों का गर्भाधान कराकर उन्नत नस्ल बकरी तैयार की गयी। बकरी पालकों को प्रेरित करके उन्नत नस्ल की बकरियॉ खरीदवायी गयी। जिससे अच्छे बच्चे तैयार हो रहे है। बकरी पालकों को अच्छी नस्ल के बारे में जानकारी हेतु बकरी बाजार भ्रमण करवाया गया। यहॉ की बाजार देखकर बकरी पालक अति प्रभावित हुए। गॉव की स्थानीय महिला को पशुसखी के रूप में चिन्हित करके बकरी के इलाज हेतु प्रशिक्षण देकर तैयार किया जा रहा है। जिससे वह अपने गॉव व आस–पास की बकरियो का देखभाल, टीकाकरण एवं उपचार करके बकरियों की मृत्युदर को कम कर रही है। साथ ही समय–समय पर पेट के कीड़े की दवा एवं टीकाकरण करती है। बकरियों की देखभाल में परिवर्तन किया जा रहा है। बकरियों को रहने के लिए बाड़ा, चारा खाने के लिए चरही एवं पानी की नॉद की व्यवस्था बकरी पालकों को प्रेरित करके किया जा रहा है। बकरियों को हरा चारा टॉग कर खिलाने की पद्धति पर जोर दिया जा रहा है। बकरी को नमक चाट देने के प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस प्रकार बकरियों में मृत्युदर में 15 से 20 प्रतिशत कमी आयी है। बकरे का वजन बढ़ने से बाजार में उचित मूल्य प्राप्त हो रहा है। इस प्रकार बकरी पालकों की आर्थिक स्थिति में तेजी से सुधार किया जा रहा है।

**<u>गरीब एवं जरूरतमंदों के लिए कार्यक्रम</u>** – समदासिनी फाउन्डेशन के सहयोग से गरीब एवं जरूरतमंदो के लिए कार्यक्रम किया जाता है। यह कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष किया जाता है। जिसमें अलग–अलग क्षेत्रों में गरीब एवं जरूरतमंदों की पहचान की जाती है। इस वर्ष कोविड – 19 की महामारी से पूरा देश बेहाल हो गया। इस महामारी से सम्पूर्ण विश्व परेशान हो गया। कोरोना एक संक्रमित बीमारी होने के कारण देश में लागडाउन की स्थिति हो गयी। इसलिए संस्थान ने विचार किया कि लोगों को मास्क एवं साबुन का वितरण किया जाए। इसी परिप्रेक्ष्य में आशा ज्योति केन्द्र, विश्रामालय, घरों में काम करने वाली बाईयॉ, सब्जी एवं फल बेचने वालों को मास्क और साबुन का वितरण किया गया। जिससे गरीब लोग बीमारी से बचाव कर सके। साबुन और मास्क प्राप्त कर लोगों को राहत महसूस हुई।

**शिक्षा जागरूकता** – प्रत्येक मनुष्य के जीवन में शिक्षा अत्यंत आवश्यक है फिर बालिकाओं को बालकों के समान शिक्षा देने में माता पिता की सोच अच्छी नही होती। देखा जाए तो शहरों में अधिकतर बालिकाएं उच्च शिक्षा प्राप्त करने लगी है किन्तु गॉवों में बालिकाओं को पाचपीं या आठवीं तक ही पढ़ने की इजाजत मिलती है इसके उपरान्त उन्हें घर के कामों मे लगा दिया जाता है। बालिकाओं को भी उच्च शिक्षा मिलनी चाहिए इस जागरूकता के लिए जनपद रायबरेली के विकास खण्ड सतॉव के गॉव मलिकमऊ और कोरिहर में एक–एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी प्राथमिक विद्यालय में की गयी। गोष्ठी में ग्राम प्रधान, एवं अध्यापिकाओं ने भाग लिया गॉव के सम्मानित महिला पुरूष एवं बालिकाएं, बालक सभी उपस्थित रहे। ग्राम प्रधान श्रीमती सरोज ने कहा कि बालिकाओं को भी हमें उच्च शिक्षा दिलवाना चाहिए जिससे वह अपना परिवार अच्छा चला सके। शिक्षा नौकरी के लिए ही जरूरी नहीं है। शिक्षा मनुष्य की बुद्धि का विकास करती है। एक शिक्षित व्यक्ति अपना स्वयं का कार्य भी करता है। इसी प्रकार सभी ने अपने –अपने विचार व्यक्त किए।

**पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम** – मनुष्य का स्वास्थ्य वहॉ के वातावरण से प्रभावित होता है। स्वस्थ मनुष्य ही अपने परिवार व समाज के विकास के लिए कार्य कर सकता है। इसलिए प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य है कि जहॉ पर वह रह रहा है वहॉ के आस–पास का वातावरण गंदगी से दूर रखने का प्रयास करना चाहिए। हमारा देश अधिकतर गॉवों में निवास करता है। गॉव में मुख्य आय का स्रोत खेती होने के कारण पशुपालन भी होता है। ग्रामीण अंचल के लोग पशुओं को घर के पास ही रखते है जिससे घर के आस–पास गंदगी का माहौल हो जाता है। साथ ही लोग घर का कूड़ा करकट, गोवर इत्यादि घर के पास घूर लगाकर रखते है। जिससे घर के आस–पास कीड़े मकोड़े व बदबू इत्यादि बनी रहती है। गॉव के अधिकतर लोग अपने घरों में शौचालय नहीं बनवाते है जिससे मलमूत्र त्याग हेतु खेतों में जाना पड़ता है। जिससे वायु के साथ गंदगी बस्ती में आती है। इससे अधिकतर लोग बीमारी से ग्रसित हो जाते है। इसका प्रभाव छोटी उम्र के बच्चों पर अधिक पड़ता है। साथ कमजोर महिला पुरूष अपने स्वास्थ्य को सही नही रख पाते है। आमदनी का एक बड़ा हिस्सा घर के सदस्यों की बीमारी में चला जाता है और लोग ईश्वर को दोष देते हुए जीवनयापन करते है। जनपद रायबरेली के विकास खण्ड राही के गॉव सुलखियापुर में शौचालय बनवाने को लेकर एवं घरों के आस–पास की सफाई को लेकर बच्चों और महिलाओं के साथ एक रैली का आयोजन किया गया। जिसमें नारे लिखी हुई तख्तियों को लेकर नारा बोलते हुए पूरे गॉव में रैली निकाली गयी। शौचालय हो घर के पास, दूर न जाएं रात बिरात। जैसे नारे बोलकर लोगों को जागरूक किया गया। यह कार्यक्रम लोगों को जागरूक करने के लिए किया गया। सभी लोगों में कार्यक्रम के प्रति उत्साह रहा। कुछ ग्रामीणों ने अपने आस–पास सफाई करके उदाहरण प्रस्तुत किया।

**महिला एवं बाल अधिकार जागरूकता कार्यक्रम** – आज की महिला घर तक ही सीमित नहीं हैं लगातार अपने प्रयास से घर के बाहर की जिम्मेदारियॉ निभाने का प्रयत्न कर रही है। इसलिए अनेकों प्रकार की समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है। जिस प्रकार महिलाओं में शिक्षा व अन्य जागरूकता बढ़ी है। उसी प्रकार महिलाओं में आकाक्षाएं बढ़ी है। अपने अधिकारों की जागरूकता न होने के कारण और समाज की कुरीतियों के कारण महिलाओं का उत्पीडन अब आम बात हो गयी है। इस समस्या से महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से जनपद रायबरेली के विकास खण्ड राही के उमरा में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में महिलाओं व पुरूषों को एक स्थान पर एकत्र करके विचार विमर्श किया गया। गोष्ठी में ग्राम प्रधान, ऑगनबाड़ी, ए0एन0एम0, आशा व सक्षम महिलाओं ने अपने विचार व्यक्त किए। गोष्ठी में बताया गया कि प्रत्येक महिलाओं को शिक्षित होना अति आवश्यक है। शिक्षा इसलिए जरूरी नहीं है कि नौकरी प्राप्त हो जाए बल्कि शिक्षा प्राप्त करने से व्यक्ति अपने विचार को मजबूत कर सकता है। उसकी बुद्धि का विकास व आत्मविश्वास मजबूत होता है। एक शिक्षित महिला अपना पूरा परिवार अच्छा चलाती है साथ ही अपने अधिकारों का सदुपयोग करती है। अधिकतर देखा गया है कि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने पर कम उम्र के बच्चों को पैसे कमाने के लिए होटल, अन्य दुकानों व घरों मे काम करने के लिए लगा दिया जाता है। जिससे परिवार का खर्च चलता है, किन्तु बच्चों की यह उम्र उनके बौद्धिक विकास हेतु शिक्षा के लिए है। इसलिए माता–पिता का कर्तव्य है कि वह बच्चे को पूर्ण विकास का मौका उपलब्ध कराए। थोड़े से लाभ के लिए बच्चों का भविष्य बर्बाद न होने दे। जिससे हमारे समाज व परिवार का विकास होगा।

**कृषि एवं औषधीय पौध जागरूकता** – भारत कृषि प्रधान देश है। हमारे देश की अधिकतर आबादी गॉवों में रहती है। गॉवों का मुख्य व्यवसाय कृषि एवं पशुपालन है। निरन्तर कृषि करते रहने से अधिकतर किसान परम्परागत खेती करते रहते है। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है। वैज्ञानिकों की नयी सोच के अनुसार खेती करने से पैदावार में बढ़ोतरी हो जाती है। जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकते है। किसानों को जागरूक करने हेतु जनपद रायबरेली के विकास खण्ड सतॉव के ग्राम अहमदपुर एवं किलौली में एक– एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में जानकारियॉ देने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र, दरियापुर के कृषि वैज्ञानिक डा0 कनौजिया को बुलाया गया। डा0 कनौजिया ने बताया कि औषधीय खेती करने में किसानों को अधिक लाभ प्राप्त होता है। यदि आप लोग तुलसी, सफेद मुसली आदि खेतों में लगाए तो वह जल्दी तैयार हो जाती है। साथ ही साथ इसका अच्छा मूल्य प्राप्त होता है। धान या गेहूँ के नये बीज खरीद कर बोने से फसल अच्छी तैयार होती है। जिससे किसान को अधिक लाभ प्राप्त होता है।

**योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा जागरूकता** – योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा की जागरूकता होना अत्यंत आवश्यक है इसलिए जनपद रायबरेली के विकास खाण्ड राही के गॉव उमरा एवं भुएमऊ में एक–एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में सभी ग्रामीण महिला पुरूष एवं गॉव के प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थिति रहे। संस्थान प्रतिनिधि राकेश शुक्ला ने सभी को योगा के बारे में बताते हुए कहा कि योगा जिंदगी को संयमित बनाता है। प्रत्येक व्यक्ति के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता होना अत्यंत आवश्यक है। रोग प्रतिरोधक क्षमता होने से व्यक्ति बड़ी से बड़ी बीमारियों से लड़ सकता है। शरीर और मन को स्वस्थ रखने के लिए योगा अत्यंत आवश्यक है। व्यक्ति अगर सुबह एक घंटे योगा कर ले तो उसे शरीर में अनावश्यक दर्द नही महसूस होता है और वह तीव्रगति से उत्साहपूर्वक कार्य सम्पन्न कर सकता है। प्राकृतिक चिकित्सा का भी हमारे जीवन में विशेष योगदान है। प्रकृति ने हमें कुछ पेड़ पौधें दवाईयों के रूप में वरदान में दिया है। यदि हम अपनी सूझ–बूझ और ज्ञान से प्राकृतिक चीजों का सेवन करें तो हमारा शरीर स्वस्थ रहेगा। जैसे – नीम की कोपल पत्ती, सहजन, तुलसी इत्यादि इन चीजों के सेवन से किसी भी प्रकार की समस्या नही होती है जबकि दवाईयों से शरीर का मर्ज सही होने के साथ–साथ अन्य मर्ज भी उत्पन्न हो जाते है। जिससे लगातार किसी न किसी एलोपैथ दवा का सेवन करना पड़ता है और शरीर कमजोर हो जाता है।

**सड़क सुरक्षा जागरूकता** – वर्तमान समय में दो पहिया या चार पहिया वाहनों की अधिकता हो गयी है। अधिकतर व्यक्ति छोटे से छोटा कार्य भी गाड़ी ले जाकर ही करता है। जिससे देखा जाता है कि रोज ही दुघर्टनाओं से गंभीर चोटे या जान तक चली जाती है। इसलिए विचार किया गया कि लोगों को वाहन चलाने के नियमों की जानकारी होनी चाहिए यदि जानकारियॉ हो तो दुर्घटनाएं कम होगी। जनपद रायबरेली के विकास खण्ड बछरावॉ एवं लालगंज के चौराहे पर नुक्कड़ सभाएं की गयी जिसमें 25 से 30 लोगों ने एक जगह एकत्र होकर यातायात के नियमों को समझा और गीत और नाटक के माध्यम से कार्यक्रम को देखा। यातायात के नियमों को समझाने मे पुलिस का विशेष सहयोग रहा।

**संस्कृति विकास जागरूकता** – अपना देश बहुत प्रकार की विधाओं से भरा है। हमारे गॉवों में अलग–अलग समय पर अलग–अलग लोक गीत गाने की परम्परा है। साथ ही नाटक, कठपुतली एवं स्टेज कार्यक्रम भी किए जाते है। यह सभी कार्यक्रम हमारे देश की संस्कृति का परिचय देते है। संस्थान अपने देश की लोकविधा को सशक्त बनाने के लिए जनपद रायबरेली के कई गॉवों में गायक एवं कलाकारों को खोज कर उन्हें समाज के प्रति जागरूक करने वाले कार्यक्रमों को करने के लिए प्रेरित करती रहती है। समय–समय पर कलाकारों को प्रशिक्षण देकर उनकी क्षमताबृद्धि भी की जाती है।

**<u>स्वच्छता कार्यक्रम</u>** – भारत को स्वच्छ बनाने का अभियान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रारम्भ किया। इसी अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से जनपद रायबरेली के ग्राम किलौली में रैली का आयोजन किया गया। यह रैली प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को लेकर गॉव के लोगों की भागीदारी से सम्पन्न किया गया। रैली मे नारे की तख्तियॉ बनाकर गॉव में घूम–घूम कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया गया। रैली का प्रारम्भ प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण से शुरू करके श्री शिखर श्रीवास्तव के दरवाजे तक किया गया। रैली के उपरान्त शिखर जी के दरवाजे पर कठपुतली कार्यक्रम के द्वारा गॉव के एकत्रित महिला पुरूष बच्चों को नाटक के द्वारा स्वच्छता का संदेश देकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम अत्यंत मनोरंजक पूर्ण होने के कारण लोगों ने आनन्द के साथ संदेश ग्रहण किया।

आगामी वर्ष हेतु प्रस्तावित कार्यक्रम – संचालित कार्यक्रमों के साथ–साथ संस्थान आगामी वित्तीय वर्ष में अन्य विभिन्न कार्यक्रमों के सफल संचालन हेतु प्रयासरत है–

- बकरी पालन आजीविका परियोजना
- कृषि एवं औषधीय पौधों की खेती कार्यक्रम
- बेरोजगार युवाओं को रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम
- शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम
- गरीब एवं जरूरतमदों की सहायता कार्यक्रम
- सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम
- बाल एवं महिला अधिकार जागरूकता कार्यक्रम
- योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा जागरूकता कार्यक्रम
- सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रम
- गर्ल आइकन कम्युनिटी नेटवर्क कार्यक्रम

संस्थान अपने लक्ष्य एवं उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निरन्तर प्रयासरत है। हम आपके वांछित सहयोग एवं मार्गदर्शन की अपेक्षा रखते है।

Bipin Bajpai
Secretary
VISHWAS SANSTHAN
Rae Bareli U.P